every thing terrible»; ad anica niger retulerim κηλίς, v. sq.).

कालक m. (a काल s. का) 1) macula, naevus. Am.: पिन्नु.
2) jecur. Hem. (Cf. gr. মদুর্মার, v. কালে.)

কালেকা f. nomen Asuriae cujusdam. A. 10.7.

कालकाञ्च (e praec. in accus. কালকা et ন্ত্ৰ) natus Asurorum genus. A. 10.2.

कालक्रूट m. (e काल et क्रूट) veneni species. HIT. 84.16. कालधर्म m. (e काल et धर्म) mors. Am.; R. Schl. I. 43.1. कालधर्मन् m. (e काल et धर्मन्) id. MAH. 1.4877.

नालयाप m. (e नाल tempus et याप nom. actionis a r. या ire in forma caus. यापय, s. म्र) procrastinatio. Hir. 96.18.

कालयापन n. id. Hit. 54.3.

कालायस n. (e काल et म्रायस ferrum) ferrum. Am. कालिमन् m. (a काल s. इमन्) nigritudo. HIT. 84. 16. काली f. (a काल signo fem. ई) nomen Durgae. Dev. 9. 27.

काट्य n. (a कवि poëta s. य) poëma.

कार्र् 1. et 4. 1. 1) lucere, splendere. RAGH. 10.87. 2) apparere, videri. M. 43.: नै 'ञ भूमिर नच दिश: ... चकाशिरे (sic legendum pro प्रकाशिरे).

c. At expellere, ausleuchten. Lass. 9.14.

c. प्र i.q. simpl. RAM. III. 55. 21.: उद्यानानि प्रकाशन्ते ममा 'न्यथा. - Caus. (प्रकाशयामि) collustrare, illustrare; manifestare. A. 1. 2. BH. 5. 16. HIT. 30. 20.

काष्ट्रमीर nomen regionis. Hit. 46.14.

কান্ত n. lignum. SA. 5. 1. 2. HIT. 49. 11. (Cambro-brit. coed, bret. coat; e syllaba কাবু gr. ξυ vocis ξύ-λον litteris transpotis et d attenuato in ν explicari possit.)

काष्ट्रा f. minuta pars temporis, v. काला. Dev. 11.8.

नाम् 1. A. (दीती शब्दकत्सायाम् к. कुशब्दे r.) 1) lucere, splendere (v. चनास् , नाश् et cf. goth. haiza fax; Benary huc refert Κάσ-τωρ). 2) tussire. (Lith. kòs-tu tussio, kós-ĕ-ti tussire, slav. kaśjljati, germ. vet. huosto tussis, v. Pott. I. p. 278.; scot. casad id., cambrobrit. pás.)

कास m. (r. कास् s. म्र) tussis. Am.

कासर m. bos bubulus. Am.

कासार m. stagnum, lacus. Am.

1. कि 3. P. चिकीम (ज्ञान) scire. (Fortasse lat. scio praefixo s; hib. ci «see, behold», ci-thi «you see», citear «it seems, appears»; v. कित.)

2. कि stirps interrogativa, v. किम .

निशाह m. (ut videtur, e निम् et शाह, quod simplex non invenitur, a r. श्रू laedere s. उ, v. gr. 671.) aristae spicarum. Am.

किंग्रक m. (клим. ex interrog. किम et युक psittacus. gr. 671.) nomen arboris (Butea frondosa). N.12.3.

निङ्गर् m. (e निम् quid et न्तर् faciens) servus, famulus. SA. 6.30.

निङ्किणि f. cingulus cum parvis tintinnabulis, vel quodvis aliud ornamentum tinniens.

निडिगी f. i.q. praec.

निङ्गिणिनिन् (e praec. s. निन्) ornamento tinniente indutus. In. 5.12.

লিস্থান (Nom. কাশ্বান, কাখান, কিস্থান, v. gr. 284.) aliquis, quispiam, ullus. SA. 2. 21.; praesertim in constructione cum negativo ন, e.c. Su. 4. 3. 24. - Accus. neut. কিস্থান adverbialiter ponitur, praesertim in constructione cum ন, ad exprimendum nullo modo, neutiquam, nequaquam. Br. 1. 24. (Cum suffixo খানা conferatur hun linguae goth., ubi ni hvas-hun idem valet ac sanscritum ন ক্ৰম্ন, v. gr. comp. 398.)

किञ्चित् (Nom. कश्चित्, काचित्, किञ्चित् v. gr. 284.) id. Br. 1.17. Sv. 1.25. Hir. 21.5. - यः कश्चित् id. Hir. 11.5.: स्वर्णकञ्जनं यस्मै कस्मैचिद् दातुम् उच्छामि-किञ्चत् Adv. paululum. SA. 4.26. Dr. 9.24. (Particula enclitica चित् quae in dialecto Vêdicâ etiam cun Substantivis conjungitur - e.c. व्यश्चित् aves a वि - est neutrum stirpis चि, quod ortum est e कि, unde formis Vêdicis माकिस्, निकस् respondent Zend. అంటు ma-cis, అంటు naê-cis, v. gr. comp. 198.)

किञ्चिलिक m. v. sq.